वाक्य और वाक्य के भेद

दो या दो से अधिक पदों के सार्थक समूह को, जिसका पूरा पूरा अर्थ निकलता है, वाक्य कहते हैं।

उदाहरण के लिए 'सत्य की विजय होती है।'

- वाक्य के दो अंग होते है
  - उद्देश्य
  - विधेय

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

- **उद्देश्य** कर्ता को कहते है
- कर्ता के अलावा जो भी बात वाक्य में कही जाए उसे **विधेय** कहते है

वाक्य के भेद

- 1 अर्थ के आधार पर वाक्य भेद(8)
- 2 रचना के आधार पर वाक्य भेद(3)

अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

अर्थ के आधार पर आठ प्रकार के वाक्य होते है –

- विधान वाचक वाक्य
- निषेधवाचक वाक्य
- प्रश्नवाचक वाक्य
- विस्म्यादिवाचक वाक्य
- आज्ञावाचक वाक्य
- इच्छावाचक वाक्य
- संकेतवाचक वाक्य
- संदेहवाचक वाक्य

विधान वाचक वाक्य

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

वह वाक्य जिससे किसी प्रकार की जानकारी प्राप्त होती है, वह विधानवाचक वाक्य कहलाता है।

उदाहरण –

- भारत एक देश है।
- राम के पिता का नाम दशरथ है।
- दशरथ अयोध्या के राजा हैं।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

•निषेधवाचक वाक्य

जिन वाक्यों से कार्य न होने का भाव प्रकट होता है, उन्हें निषेधवाचक वाक्य कहते हैं।

जैसे-

•मैंने दूध नहीं पिया।

•मैंने खाना नहीं खाया।

प्रश्नवाचक वाक्य

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

वह वाक्य जिसके द्वारा किसी प्रकार प्रश्न किया जाता है, वह प्रश्नवाचक वाक्य कहलाता है।

उदाहरण –

- भारत क्या है?
- राम के पिता कौन है?
- दशरथ कहाँ के राजा है?

आज्ञावाचक वाक्य

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

वह वाक्य जिसके द्वारा किसी प्रकार की आज्ञा दी जाती है या प्रार्थना की जाती है, वह आज्ञावाचक वाक्य कहलाता है।

उदाहरण –

•कृपया बैठ जाइये।

•शांत रहो।

•कृपया शांति बनाये रखें।

विस्मयादिवाचक वाक्य

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

वह वाक्य जिससे किसी प्रकार की गहरी अनुभूति का प्रदर्शन किया जाता है, वह विस्मयादिवाचक वाक्य कहलाता हैं।

उदाहरण –

•अहा! कितना सुन्दर उपवन है।

•ओह! कितनी ठंडी रात है।

•बल्ले! हम जीत गये।

इच्छावाचक वाक्य

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

जिन वाक्यों में किसी इच्छा, आकांक्षा या आशीर्वाद का बोध होता है, उन्हें इच्छावाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण-

- भगवान तुम्हें दीर्घायु करे।
- नववर्ष मंगलमय हो।

संकेतवाचक वाक्य

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

जिन वाक्यों में किसी संकेत का बोध होता है, उन्हें संकेतवाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण-

- राम का मकान उधर है।
- सोनु उधर रहता है।

संदेहवाचक वाक्य

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

जिन वाक्यों में संदेह का बोध होता है, उन्हें संदेहवाचक वाक्य कहते हैं।

रचना के आधार पर वाक्य के भेद

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

रचना के आधार पर वाक्य के निम्नलिखित तीन भेद होते हैं-

(1)सरल वाक्य/साधारण वाक्य

(2) संयुक्त वाक्य

(3) मिश्रित/मिश्र वाक्य

सरल वाक्य/साधारण वाक्य

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

जिन वाक्यों में एक ही विधेय होता है, उन्हें सरल वाक्य या साधारण वाक्य कहते हैं, इन वाक्यों में एक ही क्रिया होती है;

- मुकेश पढ़ता है।
- राकेश ने भोजन किया।

संयुक्त वाक्य

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

जिन वाक्यों में दो-या दो से अधिक सरल वाक्य समुच्चयबोधक अव्ययों से जुड़े हों, उन्हें संयुक्त वाक्य कहते है;

तथा, एवं, या, अथवा, और, परन्तु, लेकिन, किन्तु बल्कि, अतः, इसलिए आदि।

जैसे →
1.बादल गरज रहे हैं और वर्षा हो रही है।
2.गांधी जी भारत लौटे और उन्होंने पराधीन भारतीयों की दुर्दशा देखी।
3.यहाँ पहले जंगल था परंतु अब घनी बस्ती है।

विशेष – 1. मुझे आज जल्दी जाना था, देर हो गई। ('लेकिन' का लोप)
2. वह ईमानदार ही नहीं है, परिश्रमी भी है। ('बल्कि' का लोप)

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

जैसे- वह सुबह गया और शाम को लौट आया।

•प्रिय बोलो पर असत्य नहीं।

•इसकी तलाशी लो और घडी मिल जाएगी।

•करो या मरो।

•मोहन एक पुस्तक चाहता था और वह उसे मिल गई।

•मैं वहाँ पहुँचा और तुरन्त घंटा बजा।

मिश्रित/मिश्र वाक्य

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

जिन वाक्यों में एक मुख्य या प्रधान वाक्य हो और अन्य आश्रित उपवाक्य हों,
उन्हें मिश्रित वाक्य कहते हैं।

यह सभी आपस में कि, जो, की, इतना, उतना, इधर, उधर, कब, कितना, जब ,तब जैसा, वैसा, वह, आदि, शब्दों, से जुड़े होते हैं।

जैसे- ज्यों ही उसने दवा पी, वह सो गया।

- यदि परिश्रम करोगे तो, उत्तीर्ण हो जाओगे।
- मैं जानता हूँ कि तुम्हारे अक्षर अच्छे नहीं बनते।
- वह जो लड़का है छोटा है।
- यह वही बच्चा है जिसको बैल ने सींग मारा था।
- जो गरीबों की सहायता करते हैं वे धर्मात्मा होते हैं